

परामर्शदात्री समिति

- डॉ. विवेक मिश्र, विशालपुर, जयसिंगपुर एवं तुलसी वि.वि. जबलपुर
- डॉ. अरुण मिश्र, प्रध्यापक वि.वि. शासकीय मानकूवर बाई कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय, जबलपुर
- डॉ. सी.एम. तिवारी, प्रध्यापक वि.वि. शासकीय मानकूवर बाई कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय, जबलपुर
- डॉ. दीपक श्रीवास्तव, प्रध्यापक एम.बी.एस. कला, मानकूवर बाई कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय, जबलपुर
- डॉ. टी.आर. जयदु, विशालपुर एवं वि.वि. शासकीय मानकूवर बाई कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय, जबलपुर
- डॉ. अरुण शुक्ल, प्रध्यापक वि.वि. शासकीय मानकूवर महाविद्यालय, जबलपुर
- डॉ. किशोर् जैन, प्रध्यापक वि.वि. शासकीय महाविद्यालय महाविद्यालय, जबलपुर
- डॉ. जयदीप शर्मा, प्रध्यापक वि.वि. शासकीय मानकूवर बाई कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय, जबलपुर
- डॉ. मनुजा चौधरी, विशालपुर वि.वि. शासकीय विद्यालय महाविद्यालय, जबलपुर

पंजीयन

पंजीयन प्रारंभ : दिनांक 8 मार्च से
 पंजीयन शुल्क : प्राध्यापक - ₹ 200
 शायायी - ₹ 100
 मध्यक : मर्यादा कार्यशाला

आयोजक समिति

डॉ. आशा पाण्डेय, उपाधी, आई.क्यू.ए.सी.
 डॉ. जे.के. गुजरात, सदस्य, आई.क्यू.ए.सी.
 डॉ. नीला उपाध्याय, सदस्य, आई.क्यू.ए.सी.
 डॉ. अर्चना सिंह, सदस्य, आई.क्यू.ए.सी.
 डॉ. अर्चना देवलिजा, सदस्य, आई.क्यू.ए.सी.

राज्य स्तरीय कार्यशाला

दिनांक : 11 एवं 12 मार्च 2016

विषय : शोध - प्रविधि एवं शोध के नये आयाम
 वि. वि. अनुदान आयोग की सामान्य विकास अनुदान द्वारा प्रायोजित



डॉ. स्मृति शुक्ल
 संयोजक कार्यशाला एवं
 प्रशासक
 शोध एवं विकास समन्वय प्रकोष्ठ

डॉ. उषा दुबे
 प्रान्त

- आयोजक -

शोध एवं विकास समन्वय प्रकोष्ठ
 शासकीय मानकूवर बाई कला एवं वाणिज्य स्वशासी महिला महाविद्यालय,
 जबलपुर (म.प्र.)

नेक द्वारा प्राप्त 'A' ग्रेड

मनुष्य का खोजी स्वभाव उसे लगातार 'शोध' या 'अनुसंधान' की ओर प्रेरित करता रहा है। ज्ञान के क्रमिक विकास के साथ ही विविध क्षेत्रों में नवीन अनुसंधान होते रहे हैं और मनुष्य की विकास-यात्रा जारी है। परंपरा से प्राप्त ज्ञान-संपदा को सहेजना, उसे आधुनिक समय के अनुकूल बनाना, नवीन दृष्टि से परखकर समाजोपयोगी बनाना, शोधार्थियों को मौलिक अनुसंधान की ओर प्रेरित करना इस कार्यशाला का उद्देश्य है। हमारे देश में उच्च शिक्षा के क्षेत्र में आज शोध-कार्य तो बहुत हो रहे हैं, पर सामाजिक क्षेत्र में उनकी क्या उपयोगिता है ? शोध-कार्य कितने स्तरीय हैं ? क्या उपयोगिता है ? शोध-कार्यों के माध्यम से क्या नवीन तथ्य सामने आ रहे हैं ? ये यक्ष-प्रश्न हमारे सामने हैं। इनके उत्तर हमें ढूँढने होंगे ; तभी शोध का वास्तविक और समाजोपयोगी स्वरूप हमारे सामने स्पष्ट हो पायेगा। कला, समाज-विज्ञान, मानविकी, जनसंचार एवं वाणिज्य के क्षेत्र में शोध के नये आयाम कौन-कौन से हैं ? इन क्षेत्रों में शोध की कौनसी प्रविधि अपनाई जानी चाहिये ? स्तरीय शोध-पत्र का लेखन, सन्दर्भ-ग्रन्थ-सूची की तैयारी, साहित्य का पुनर्लेखन आवश्यकता एवं औचित्य आदि विन्दुओं पर शोध-क्षेत्र ख्यातिलब्ध विद्वानों को आमंत्रित कर उनके विचारों और अनुभवों से शोधार्थियों को अवगत करना इस कार्यशाला का उद्देश्य है।

- शोध या अनुसंधान क्या है ? अवधारणा एवं सिद्धांत की परिभाषा
- स्तरीय शोध-पत्र लेखन हेतु प्रमुख विचारणीय बिंदु
- अनुसंधान प्रविधि, परिणाम एवं विवेचन
- सन्दर्भ ग्रन्थ सूची-लेखन।
- साहित्य का पुनरवलोकन, पुनर्लेखन की आवश्यकता एवं औचित्य।
- शोधार्थी कार्यशाला के पश्चात संवाद-सत्र में विद्वानों से अपनी जिज्ञासाओं का समाधान कर सकते हैं।

उद्घाटन सत्र दिनांक 11/03/2016

समय - 11.00 बजे

- अध्यक्ष - डॉ. पी.के. मिश्रा, अधिष्ठाता कृषि संकाय, जे.एन.के.वि.वि., जबलपुर
 मुख्य अतिथि - डॉ. के.एल. जैन, अतिरिक्त संचालक, जबलपुर संभाग, उच्च शिक्षा विभाग
 विशिष्ट अतिथि - डॉ. भूपेंद्र निगम, सेवा प्रख्यात शिक्षाविद, जबलपुर
 मुख्यवक्ता - डॉ. अनिल ब्योहार, प्राध्यापक संगीत, इन्दिरागंधी कला एवं संगीत महाविद्यालय, खैरगढ़, उत्तीसगढ़
 विषय विशेषज्ञ - डॉ. पवन अग्रवाल, प्राध्यापक हिंदी, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ

समापन सत्र 12/03/2016

समय - 3.00 बजे

- सम्मानित - डॉ. गार्गीशरण मिश्र 'भराल'
 मुख्य अतिथि - डॉ. सुषमा दुबे, प्राध्यापक, स्नातकोत्तर हिंदी एवं भाषा विज्ञान विभाग, एनो दुर्गावती वि.वि. जबलपुर
 विशिष्ट अतिथि - डॉ. निशा तिवारी, सेवा निवृत्त प्राचार्य, उच्च शिक्षा विभाग म.प्र.

आमंत्रित विद्वान

- डॉ. त्रिभुवन नाथ शुक्ल, विभागाध्यक्ष, हिंदी एनो दुर्गावती वि.वि. जबलपुर
- डॉ. शैलेश चौबे, विभागाध्यक्ष, अमरगढ़
- डॉ. छाया राय, पूर्व अधिष्ठाता कला संकाय, एनो दुर्गावती वि.वि. जबलपुर
- डॉ. अनिल ब्योहार, शिक्षाविद एवं प्राध्यापक संगीत, इन्दिरागंधी कला एवं संगीत महाविद्यालय, खैरगढ़, उत्तीसगढ़
- डॉ. इला चौध, सेवानिवृत्त प्राचार्य, उच्च शिक्षा विभाग
- डॉ. हेमंत तनकप्पन, प्रभारी प्राचार्य, शासकीय महाविद्यालय सिहोर (बोहनी) जिला नर्महरपुर
- डॉ. आर.एन. श्रीवास्तव, प्राध्यापक इतिहास, शासकीय महाविद्यालय, अमरगढ़, जिला सतना
- डॉ. अभिजात कृष्ण त्रिपाठी, प्राचार्य, जलवेरमण महाविद्यालय, जबलपुर
- डॉ. सुनील पाहवा, अधिष्ठाता वाणिज्य संकाय, एनो दुर्गावती वि.वि. जबलपुर

राज्य स्तरीय कार्यशाला
11 एवं 12 मार्च 2016

विषय : 'शोध-प्रविधि एवं शोध के नये आयाम'

कार्यक्रम विवरण

शुक्रवार दिनांक 11 मार्च 2016

उद्घाटन सत्र	-	घातः 11.00 बजे से 01.00 बजे तक
अध्यक्षता	-	डॉ. पी.के. मिश्र अधिष्ठाता कृषि संकाय, जवाहरलाल नेहरू कृषि वि.वि. जबलपुर (म.प्र.)
मुख्य अतिथि	-	डॉ. के. एल. जैन अतिरिक्त संचालक, उच्च शिक्षा जबलपुर संभाग, जबलपुर (म.प्र.)
विषय प्रवर्तन	-	डॉ. उषा दुबे, प्राचार्य
विशिष्ट अतिथि	-	डॉ. भूपेन्द्र निगम - प्रख्यात शिक्षाविद
मुख्य वक्ता	-	डॉ. अनिल ब्यौहार - प्राध्यापक संगीत इंदिरा कला एवं संगीत विश्वविद्यालय, खैरागढ़ (छ.ग.)
संचालन	-	डॉ. स्मृति शुक्ल - संयोजक कार्यशाला
आभार	-	डॉ. जे. के. गुजराल - प्राध्यापक अर्थशास्त्र
प्रतिवेदक	-	डॉ. नीना उपाध्याय - प्राध्यापक हिंदी

01.00 बजे से 02.00 बजे तक भोजनावकाश

प्रथम बौद्धिक सत्र	-	02.00 बजे से 05.00 बजे
अध्यक्षता	-	डॉ. गार्गीशरण मिश्र 'मराल' - साहित्यकार एवं शिक्षाविद
मुख्य वक्ता	-	डॉ. पवन अग्रवाल - प्राध्यापक हिंदी लखनऊ वि.वि. लखनऊ (उ.प्र.)
मुख्य वक्ता	-	डॉ. इला घोष - पूर्व प्राचार्य जबलपुर (म.प्र.) डॉ. अभिजात कृष्ण त्रिपाठी - प्राचार्य, जानकीरमण महाविद्यालय जबलपुर (म.प्र.)
विषय प्रवर्तन	-	डॉ. अरुण शुक्ल, महाकौशल महाविद्यालय जबलपुर (म.प्र.)
संचालन	-	डॉ. नूपुर निखिल देशकर - सहायक प्राध्यापक वाणिज्य
आभार	-	डॉ. अर्चना देवलिया - सहा. प्राध्यापक इतिहास
प्रतिवेदक	-	डॉ. मीनू मिश्रा - प्राध्यापक समाजशास्त्र

शनिवार दिनांक 12 मार्च 2016

द्वितीय विमर्श रात्र

प्रातः 11.00 बजे से 01.00 बजे तक

अध्यक्षता
मुख्य वक्ता

- डॉ. अरुण कुमार मिश्र - विभागाध्यक्ष हिंदी
- डॉ. शैलेश चौबे - प्राध्यापक अर्थशास्त्र रा.दु.वि.वि. जबलपुर
- डॉ. सुनील पाहवा - प्राध्यापक वाणिज्य जी. एस. महाविद्यालय
- डॉ. हेमंत तनकप्पन - प्रभारी प्राचार्य शा.महा.वि. सिहोरा, नरसिंहपुर
- डॉ. नीना उपाध्याय - प्राध्यापक हिंदी
- डॉ. किरण शुक्ल - विभागाध्यक्ष चित्रकला
- डॉ. सुनील दुबे - सहा. प्राध्यापक हिंदी

संचालन
आभार
प्रतिवेदक

01.00 बजे से 01.30 बजे तक स्वल्पाहार

तृतीय विमर्श रात्र

प्रातः 01.30 बजे से 03.30 बजे तक

अध्यक्षता
मुख्य वक्ता

- डॉ. सुषमा दुबे - प्राध्यापक रा.दु.वि.वि. जबलपुर
- डॉ. राज कुमार सुमित्र - हिंदी के प्रसिद्ध साहित्यकार
- डॉ. निशा तिवारी - पूर्व प्राचार्य उच्च शिक्षा विभाग
- डॉ. अनिल ब्योहार - प्राध्यापक संगीत इंदिरा कला संगीत महाविद्यालय, खैरागढ़ (छ.ग.)
- डॉ. अर्चना चतुर्वेदी - प्राध्यापक मनोविज्ञान
- डॉ. शिखा गुप्ता - प्राध्यापक समाजशास्त्र
- प्रो. आई.एस. बरकडे - सहा. प्राध्यापक हिंदी
- डॉ. बरुण राव बन्सीडकर - सहा. प्राध्यापक राजनीतिशास्त्र

संचालन
आभार
प्रतिवेदक

शनिवार दिनांक 12 मार्च 2016

समापन रात्र

दोपहर 03.30 बजे से 05.00 बजे तक

अध्यक्षता
मुख्य अतिथि
विशिष्ट अतिथि
कार्यशाला के प्रतिवेदन
का वाचन
संचालन
आभार
प्रतिवेदन लेखन

- डॉ. राज कुमार सुमित्र
- डॉ. सुषमा दुबे
- डॉ. निशा तिवारी
- डॉ. स्मृति शुक्ल - संयोजक कार्यशाला
- डॉ. अर्चना सिंह - सहा. प्राध्यापक अंग्रेजी
- डॉ. आशा पाण्डेय - आई.क्यू.ए.सी. प्रभारी
- डॉ. नीना उपाध्याय - प्राध्यापक हिंदी

भारतीय मानक बोर्ड कला एवं वाणिज्य (स्वास्ती) महिला महाविद्यालय
जयपुर (म.प्र.)
द्वि-दिवसीय राज्य स्तरीय कार्यशाला
शोध - प्रविधि एवं शोध के नये आयाम
दिनांक 11 एवं 12 मार्च 2016
श्री. विद्या भवन





अखिल भारतीय राजशेखर समारोह
विश्वविद्यालयीय एवं अल्पविद्यालयीय राजशेखर समारोह,
जिला 102 एवं विभागात्मक स्तर पर
दिनांक 23 एवं 24 मार्च 2016
आयोजित
राजशेखर सम्मेलन एवं 14 दिवसीय (सप्ताह) शैक्षणिक प्रतियोगिता, उत्तरांचल

